वित्तीय संस्थाओं द्वारा कंपनियों के शेयरों का बेचा जाना

1062. **श्री राम सिंह राठवा :**
श्री ईश दत्त यादव :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वित्तीय संस्थाओं ने कुछ कम्पनियों के कुछ शेयरों को बेचा है ;

(ख) यदि हां, तो किस-किस कंपनी के शेयरों को बेचा गया है और उन्हें किन कारणों से बेचा गया है ; और

(ग) इन शेयरों को बेचे जाने के लिए क्या मापदंड अपनाए जाते हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) कुछ ऐसी कम्पनियों जिनके शेयर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अथवा भारतीय औद्योगिक वित्त निगम अथवा भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम अथवा भारतीय पुनर्निर्माण बैंक द्वारा बेचे गए हैं, उनके नाम विवरण में दिए गए हैं, ये शेयर, विभिन्न समयावधियों में बेचे गए हैं, जिनमें एक रूपता नहीं है ।

शेयरों को बेचने का मुख्य कारण निधियों का पुनर्निवेश, पूंजी लाभों का अर्जन तथा वास्तविक निवेश के लिए बाजार में अच्छे स्क्रिप उपलब्ध कराना जिससे कि इस प्रकार के स्क्रिप की कमी को दूर किया जा सके तथा कंपनी प्रतिभूतियों को बड़े पैमाने पर वितरण किया जा सके ।

(ग) साधारणतया 17.5% प्रति वर्ष के न्यूनतम उपार्जित मानदंड को पूरा करने वाले स्क्रिपों को बाजार में बेचा जाता है । परंतु, ऐसे मामलों में जहां प्रतिफल वांछित स्तर तक मिलने की संभावना कम हो इस प्रकार के शेयरों की बिक्री भी वांछित प्रतिफल मूल्य से कम पर, परंतु साधारणतया अधिमूल्य पर की जाती है ।

विवरण

कम्पनियों की सूची

1. ए०सी०सी०
2. ए०पी० रेयोनस लि०
3. एबीएस प्लास्टिक्स लि०
4. अजय इलैक्ट्रीकल्स
5. अमृत बनस्पति
6. आन्ध्रा सीमेंट
7. ए० पी० पेपर
8. एशियन होटल्स
9. औरंगाबाद पेपर
10. बड़ौदा रेयोन
11. भारत बर्ग
12. भद्राचलम पेपर बोर्ड लि०
13. बिहार कास्टिक एण्ड कैमिकल्स लि०
14. सीइएसी लि०
15. सीमेंट कारपोरेशन आफ गुजरात
16. कोरोमण्डल फर्टीलाइजर्स
17. चौखनी इन्टरनेशनल
18. चैतीनाद सीमेंट
19. डेक्कन सीमेंट
20. दीपक फर्टीलाइजर्स लि०
21. एकन गल्फ सेरामिक्स
22. गजरा बैवल गियर्स
23. जीएसएफसी लि०
24. गांधी एसपीएल 07 स्यूडस लि०
25. गुजरात हैवी कमिक
26. गुजरात हाईटेक इंडस्ट्रीज
27. गुजरात साइकल्स
28. एचईजी लि०
29. हिम इस्पात
30. हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन
31. इण्डियन चार्ज क्रोम

32. इन्डो गल्फ फर्टीलाइजर्स लि०
33. इन्दु निशान ऑक्सीजन कैमिकल्स इंडस्ट्रीज लि०
34. लक्ष्मी आटो काम्पोनेंटस
35. माडर्न सिन्टैक्स इण्डिया
36. मुरुदेश्वर सेरामिक्स
37. एनआईसीसीओं उड़ीसा
38. जे०के० इंडस्ट्रीज लि०
39. काकतिया सीमेन्ट
40. कटरी स्पीनिंग मिल्स लि०
41. केरला कैमिकल्स
42. कोठारी इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन लि०
43. महावीर स्पिंग मिल्स लि०
44. मंगलोर कैमिकल्स एण्ड फर्टीलाई-जर्स लि०
45. नाथ पल्प एण्ड पेपर
46. मुकेरियन पेपर
47. एनसीएल इंडस्ट्रीज लि०
48. एन०ओ०सी०आई०एल०
49. उड़ीसा स्पोंज एण्ड आयरन
50. पोनी शुगर्स
51. प्रकाश इंडस्ट्रीज लि०
52. प्रचा प्राचिड रिसार्टस
53. फासफोर्स एण्ड कैमिकल्स ट्रावनको
54. पिनार स्टील
55. पासुपति स्पिनिंग मिल्स लि०
56. प्रियदर्शनी सीमेंट
57. प्रिदर्शनी स्पिनिंग
58. पंजाब मोहता पौलीटैक्स
59. पंजाब फाइबर्स
60. रासी सीमेंट
61. रामा फोसफेट्स
62. रिलाइंस इंडस्ट्रीज लि०
63. रिलाइन्स फैमोलैक्स इंडस्ट्रीज
64. रोडमास्टर स्टील स्ट्रीक्स
65. सागर सीमेंट
66. शिवा पेपर
67. श्री भवानी पेपर
68. एस०पी०आई०सी० लि०
69. श्री सीमेंट
70. स्पेशल स्टील्स लि०
71. सनप्फर्लग आयरन एण्ड स्टील कं० लि०
72. शिवा पेपर्स लि०
73. श्री विष्णु सीमेंट
74. स्वेद इंडिया टेल्ट्रोनिक्स
75. सलवानिया लक्ष्मण
76. टाटा पावर कं० लि०
77. ट्रामपोर्ट कारपरेशन आफ इंडिया
78. टिनप्लेट कं० आफ इंडिया
79 टूटीकोरन अल्कालाइस
80. विसाका इंडस्ट्रीज लि०
81. स्पेशल स्टील्स लि०
82. मोदी अल्कालाइस एंड कैमिकल्स लि०
83. मुरुदेश्वर सेरा मिक्स लि०
84. नाथ पल्स एंड पेपर मिल्स लि०
85. पासूपति स्पीनिंग विविंग मिल्स लि०
86. पाइको इलैक्ट्रोनिक्स एंड इलैक्ट्री-कल्स लि०
87. पेनार स्टील्स लि०
88. फासफोर्स एंड कमिकल्स लि०
89. रानै (मद्रास) लि०
90. श्री सिथेटिक्स लि०
91. श्री राम इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग लि०
92. एस०आई०एल० लि०
93. टाटा पावर कंपनी लि०
94. थर्ड अरूरन शूगर्स लि०
95. त्रि स्टार सोया प्रोडक्सट लि०
96. बनावती मैन्यूफैक्चरिंग केमिकल्स लि०
97. विडयाकोन इन्टर नेशनल लि०
98. विसाका इंडस्ट्रीज लि०

99. डब्ल्यू० डब्ल्यू० इंडस्ट्रीज (इंडिया) लि०
100. वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लि०
101. अहमदाबाद इलैक्ट्री कं० लि०
102. एसोसिएटेड सीमेंट कं० लि०
103. अतुल प्रोडेक्टस लि०
104. डी० सी० एम० लि०
105. सीसीएम श्रीराम कंसोलिटेड लि०
106. डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लि०
107. एक्सकोर्ट ट्रैक्ल्स लि०
108. एक्सल इंडस्ट्रीज लि०
109. गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स लि०
110. हिंद सिंटैक्स लि०
111. जयपुर पोलीस्पीन लि०
112. जयश्री कैमिकल्स लि०
113. कियो इंटरनेशनल लि०
114. मालवा काटन स्पीनिंग मिल्स लि०
115. मार्डन सपूटिंगस लि०
116. सिंटैक्स इंडिया लि०

Sacking of F.I.'s nominees in Swadeshi

1063. PKOF. SOURENDRA BHATTACHARJEE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item appearing in Business Standard, Cal cutta on 14th August, 1991 under the caption "Two F.Is. nominees in Swa deshi Sacked";

(b) whether the concerned finan cial institutes were not consulted be fore taking action against their no minees;

(c) if so, the details thereof; and

(d) whether the Swadeshi manage ment has been found to have swindl ed large amount of public money and as a result of which it has been planning to remove nominees of the financial institutions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Industrial Development Bank of India (IDBI) has reported that S/Shri Raghu Raj and M. P. Wadhawan were appointed as IDBI's non-official nominee directors on the Board of Swadeshi Polytex Ltd. in terms of the Supreme Court's Order dated February, 1, 1985 and they were not withdrawn. However, Shri M. P. Wadhawan vide his letter dated August 13, 1991 and Shri Raghu Raj vide his letted dated August 12, 1991 addressed to the Board of Directors of the Company, tendered their resignations from the Board of the Company. In view of the IDBI is taking steps to withdraw their nominations and appoint suitable persons as nominee directors in their places.

(d) IDBI has reported that it has no information regarding public money having been squandered by Swadeshi Management or their plans to remove nominees of the financial institutions.

राजस्थान की सीमा पर तस्करी

1064. **श्री राम सिंह राठवा :**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान की सीमा पर ऊंटों तथा गायों के माध्यम से तस्करी की जा रही है ; और

(ख) यदि हां, तो पिछले दो वर्षों के दौरान इस प्रकार की तस्करी को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और उनके क्या परिणाम निकले हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) यह तो ज्ञात है कि राजस्थान सीमा पर तस्करी के लिए ऊंटों का इस्तेमाल किया जाता है, किन्तु इस प्रयोजनार्थ गायों की इस्तेमाल